Apna Sapna Sach hua

Added : 2015-12-08 22:23:41

मुझमें हमेशा से एक दलिी इच्छा थी कि गाँव की खूब लंबी चौड़ी और मजबूत बदन की औरत को गचगचा कर चोदा जाए लेकनि दलि की इच्छा कभी बाहर नहीं आ सकी क्योंकि मैं बचपन में दुबला पतला और कद में कम था।
एक दो से इच्छा भी जाहरि की तो बोली कि तुम हमारी भूख नहीं मटिा पाओगे जबकि मैं कई को चोद चुका था। तब से, उम्र के 38 बसंत देखने तक मेरा यह सपना पूरा न हो सका।

अब कई साल बहुत अच्छी नौकरी और देश-वदिश की सैर करने के बाद दो सालों से मैंने अपना बजिनेस शुरू कर दयिा है, और अब भाग-दौड़ भी कम हो गई है तो ऐश कर रहा हूँ ज़दिगी की, जमि में जाना, व्यापार में ध्यान और ज़दिगी के मजे बस यही काम रह गया था मेरे पास।
मेरा शरीर भी अब बहुत अच्छा बन गया था और 5’8 की लंबाई भी थी।

एक बार बजिनेस के सलिसलि में मुझे आगरा जाना था, ट्रेन के बजाए मैंने कार से जाने का प्रोग्राम बनाया ताकि इधर-उधर जाने के लिए दूसरे शहर में किसी की गाड़ी न माँगनी पड़े।
रास्ते में एक जगह नाश्ते के लिए ढाबे पर रुक कर नाश्ता कयिा।

तभी मेरी नजर पड़ी कि एक महलिा बस के पीछे भागने के चक्कर में मेरी टेबल के पास आकर, शायद कुर्सी से टकरा कर गरिने वाली थी कि अचानक मेरी नजर पड़ी और मैंने उसे सहारा देकर कुर्सी पर बैठाया और पीने के लिए पानी दयिा।
इस हड़बड़ी की वजह पूछने पर पता चला कि जिस बस के पीछे वह भाग रही थी उससे वह आगरा जा रही थी किसी मीटगि में। एक जानने वाली महलिा भी उसी बस में हैं और उन्हीं के सहारे उनका बैग भी बस में ही रखा है, अब उसे अगली बस या टैक्सी का इंतजार करना पड़ेगा।

अब मैंने जब उस महलिा को ध्यान से देखा तो सचमुच वह न केवल बेहद खूबसूरत थी बल्कि करीब-करीब 6 फुट से भी नकिलती हुई लंबी और उसी अनुपात में उसकी शारीरकि बनावट थी, वेश-भूषा और बातचीत से भी किसी अच्छे घर की ही महलिा लग रही थी। उम्र यही कोई 45-47 के आसपास होगी पर 35 से ज्यादा की नहीं लग रही थी।
उसकी आगरा जाने की बात सुन कर मेरा दलि मचलने लगा कि काश इसको चोदने का मौका मलि जाए। खैर मैंने उसको बताया कि मैं आगरा जा रहा हूँ और अगर उसको ठीक लगे तो वो मेरे साथ कार में चल सकती है। और कुछ तकल्लुफ दखिते हुए उसने हाँ कर दी।
मैंने नाश्ते के बाद अपने और उसके लिए चाय मंगवाई और चाय पीकर हमने अपनी यात्रा शुरू करी।

अब तक उसने अपनी मत्रि को मोबाइल से बता दयिा था कि वह कोन्फ्रेंस अटेण्ड नहीं कर पाएगी क्योंकि बस उसको लिए बनिा ही चली गई लेकनि वह अगली गाड़ी मलिने पर वहाँ पहुँच कर उससे मलिेगी।

इसी दौरान मैंने उससे पूछा कि अगर उसे एतराज न हो तो मैं सगिरेट सुलगा लूँ जिस पर उसने कहा कि वो खुद भी सगिरेट पीती है पर उसका पैकेट बस में ही रखा है।
मैंने उसे अपना ब्राण्ड आफर कयिा और दोनों सग्रिेट के कश लेने लगे और धीरे-धीरे बेतकल्लुफ़ होने लगे।

शायद हम दोनों में कुछ ऐसा था कि अगले एक घंटे में ही हम लोग एक दूसरे के अत्यधकि इंटीमेट बन गए और एक दूसरे की सेक्स लाइफ, परविार आदि हर बात से वाकफि हो गए।

उसका हसबैंड शेयर के बजिनेस में था, 2 लड़के वदिश में पढ़ते थे। वो एनजीओ में प्रोजेक्ट हेड की हैसयित से कम करती है।

अब तक हम दोनों ने 2 सगिरेट अलग-अलग और एक सगिरेट आपस में शेयर कर के पी और इसी बहाने, उसकी सगिरेट पर लगी, टेस्टी-खुशबूदार लपिस्टकि का भी स्वाद चख लयिा और हंसी-हंसी में मैंने उसको बता भी दयिा कि मैंने उसकी लपिस्टकि का स्वाद भी ले लयिा है।
इस बात पर वह खूब हंसी और मेरी जांघ पर लन्ड को लगभग टच करते हुए हाथ मार कर बोली कि अगर इस बात से मुझे खुशी मलिती है तो मुझे जो भी स्वाद लेना हो, मैं ले सकता हूँ उसे कोई परेशानी नहीं होगी।

और फरि हमने एक साथ रुकने का प्रोग्राम बना लयिा और एक मत्रि के 2 बेडरूम के अपार्टमेंट में रुकने/खाने-पीने की व्यवस्था करवा के वहीं चले गए रुकने के लए।
यह अपार्टमेंट, 19वीं फ्लोर पर, हम कुछ मत्रिों का चुदाई का ही अड्डा था पूरी प्राइवेसी के साथ, तो कोई कसिी तरह के संकोच या कसिी के आने जाने का भी खतरा नहीं था।

मेरे मत्रि ने 2 लोगों के खाने और पीने के सामान की व्यवस्था करवा कर भजिवा दयिा। चाय-नाश्ते का सामान, पावडर का दूध आदि सब कचिन में मौजूद था, कसिी भी अन्य चीज की आवश्यकता नहीं थी। बेडरूम में 3-4 गाउन, तौलयि आदि, मतलब हर तरह से यह अपार्टमेंट एसम्पूर्ण था जो कि मैंने मेरी नई मत्रि एमलिी को दखिलाया। उसने भी अपार्टमेंट और उसके मालकि के शौकीन मजिाज की बहुत तारीफ की।

हमने मास्टर बेडरूम में सोने का प्लान करके वहाँ का एसी चला दयिा और बाथटब में भी पानी खोल दयिा ताकि वह भी भर जाए।
जब तक वह सगिरेट के कश में मशगूल रही, मैं काफी बना कर ले आया और हमने फरि बातों का सलिसलिा काफी के साथ शुरू कर दयिा।

तभी उसकी महलिा मत्रि तुहनिा, जो कि कोन्फ्रेंस में थी, का फोन आया और उसने एमलिी की पहुँचने और रुकने की व्यवस्था तथा सामान के बारे में पूछा।
एमलिी ने उससे पूछा कि वह कहाँ रुक रही है और कान्फ्रेंस वालों की तरफ से क्या अरेंजमेंट हुआ है तो पता चला की उनकी तरफ से, लंच के अलावा, कुछ भी अरेंजमेंट नहीं है क्योंकि 4 बजे तक सब खत्म हो जाएगा।

तब तक एमलिी ने फोन काट कर मुझसे पूछा कि तुहनिा को वह यहाँ बुला सकती है क्या?
मेरे यह कहने पर कि अगर उसके आने से हमारे प्यार-मुहब्बत में कोई फर्क न पड़ना हो तो वह बुला सकती है या हम उसको यहाँ ला सकते हैं, उसने तुहनिा से कहा कि वह उसके साथ ही जहाँ एमलिी रूकेगी, ठहर सकती है। पर अभी कसिी को अपना प्रोग्राम न डस्किलोज करे और हम कुछ देर में उसे लेने पहुँच रहे हैं।

कुछ ही देर में हमारे लए भी लंच-ड्रक्सि आदि आ गया और हम तुहनिा को लेने के लए पहुँच गए।
रास्ते में एमलिी ने बताया की वह और तुहनिा एक अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ से जुड़े हुए हैं और उसी के सलिसलि में अक्सर यहाँ वहाँ आते जाते रहते हैं। वह 4 साल पहले तुहनिा से, जोकि अपने पतसि अलग रहती है, मलिी थी और तुहनिा करीब 6 साल उससे छोटी हैं पर बहुत ही सेक्सी लेडी है और दोनों में बहनों जैसा व्यवहार है, कोई जलन या दुर्भावना की उनके बीच कोई जगह नहीं है, इसीलए उसे अपने साथ रुकने के लए पूछा था।

मुझे लगा कि अब शायद 2 चूतों का आनन्द नसीब में है। वह भी मेरे चेहरे के भावों को पढ़/समझ रही थी

इसीलिए मुस्कुरा रही थी।बहरहाल कुछ ही देर में हम उसको और दोनों के सामान को लेकर अपार्टमेंट में आ गए।

तुहिना एमलि के मुक़ाबले में गोरी तो बहुत नहीं थी पर उसमे अजीब सी कशिश थी और बहुत हिफाजत से रखे गए सेक्सी शरीर की मालकिन तुहिना बहुत ही हंसमुख होशियार और हाजिर जवाब महिला थी और हम जल्द ही घुल-मिल गए।

तुहिना ने भी अपार्टमेंट का मुआइना किया और बोली- अगर हम तीनों ही मास्टर बेडरूम में रहें तो किसी को कोई आपत्ति या शिकायत है क्या?
मैं तो यह चाह ही रहा था तो मैंने फौरन सभी को चेंज करने के लिए गाउन दिए ताकि इजी फ़ील कर सकें।
तुहिना बोली- पहले दारू पिलाओ ताकि दारू ही हमको इजी कर सके, फिर चेंज करेंगे।
और इतना कह कर उसने भी सिगरेट सुलगा ली और धुआँ मेरे मुख पर छोड़ते हुए मुझे बाहों में भर लिया और पूछा कि मैं क्यों झिझिक रहा हूँ?
और मुझे उसने किस कर लिया।

तब तक एमलि ने टेबल पर दारू और नाश्ता लगा दिया और हमको आवाज दी कि अब बर्दाश्त नहीं हो रहा है, बस जल्दी से आ जाओ।
तो तुहिना ने पूछा कि कपड़े उतार कर आए या पहने पहने चली आए।
इस पर एमलि ने आकर उसके सभी कपड़े उतार दिए और नंगी कर दिया तो उसने मेरे बारे में पूछा कि यह क्या गान्ड से पैदा हुआ है जो कपड़े पहने रहेगा? नंगा करो इस भोसड़ी वाले को !

और फिर एमलि ने मेरे और अपने भी कपड़े उतार दिए और हम सभी नंगे नंगे डाइनिंग टेबल के पास गए।
मैंने अपना ग्लास उठा कर तुहिना की चूची उसमें डुबो कर चूची को चूसा और फिर उसको टेबल पर बैठा कर गिलास से शराब उसकी बुर पर डालते हुए शराब का सिप लिया।
तुहिना को मिलने वाले मजे को देख कर एमलि ने कहा कि हम तीनों ही इस तरह से आज दारू पिएंगे और खूब गंदी गंदी बातें करेंगे। लेकिन पहले कुछ नाश्ता हो जाए।

अब हम दारू और सिगरेट लेकर पलंग पर पहुंचे और एक घेरे में लगभग 69 की पोजीशन में हम लेट गए यानि मेरे लंड पर एमलि का मुँह, तुहिना की चूत पर मेरा मुँह और तुहिना का मुँह एमलि की चूत पर और इस तरह से हम बुर और लंड दारू के स्वाद के साथ चूस-चूस कर मजे ले रहे थे और सेक्साइट हो रहे थे।

तुहिना एमलि की बुर को गिलास की दारू से भिगोती थी और जीभ से चाटती थी, एमलि गिलास में मेरे लन्ड को डाल कर चूस रही थी और मैं धीरे धीरे धार बना कर तुहिना की बुर पर इस तरह से डाल रहा था कि हर बूंद सीधे मेरी जीभ पर गिरे और फिर मैं उसकी बुर को चाटूँ।
लगभग आधा पेग दारू इस तरह से बूंद बूंद मुंह में जाने और जीभ से चाटने के बाद मेरे लंड में और उनकी बुर में सुरसुराहट पता चल रही थी।

मेरे मुँह से तुहिना की चूत, ज़ोर ज़ोर से चाटने की वजह से, लप्प लप्प लप्प लप्प की आवाज निकलने लगी और एमलि, जिसकी चूत तुहिना हुमक हुमक कर चूसे जा रही थी उसके मुंह से भी हाय हाय हाय.. आआआह्ह्ह की आवाज़ निकल रही थी।
लगता था एमलि की चूत से बेतहाशा रस बहने लगा हो।
उधर एमलि के, बहुत देर से, गप्प गप्प मेरा लंड चूसने की वजह, उत्तेजना से, लौड़ा उबल कर एक ज़ोर के धक्के से एमलि के मुँह में ही छलक पड़ा।

सभी का अपना अपना बहुत सारा पानी नकिल चुका था और दारू का भी नशा हो रहा था तो सबने मलिकर बाथ-टब में एक दूसरे को अच्छी तरह से खूब मल-मल कर नहलाया और फरि नंगे-नंगे ही खाने पर टूट पड़े।

एमलिी तो खाने के बाद सो गई लेकनि मैं और तुहनिा एक-दूसरे की बाहों में लेटे हुए बहुत देर तक बातें करते रहे।
तुहनिा बंगाली थी, परविार में माँ, 2 भाई, 3 बहनें, सभी शादीशुदा और अलग अलग शहरों में रहते थे, वो सबसे छोटी थी, घर वालों की पसंद से शादी हुई पर आदमी नामर्द था तो एक महीने के अंदर ही उसको छोड़ कर वो माँ के पास आ गई।
मेकेनकिल इंजीनयिर थी तो काम की कमी नहीं थी, शानदार नौकरी, सभी एशो-आराम थे कभी कभी माँ भी रहने आ जाती थी। एक मामा का लड़का, भाई था, जसिसे वह बचपन से खुली हुई थी और वो उसको चोदता भी था।

कुछ साल पहले एक मीटगि में एमलिी से मुलाक़ात हुई और अब वो और एमलिी मलि कर एंजॉय करते हैं। उसने एक अलसेशयिन पाल रखा है, जोकि आदमी की तरह सक्यिोरटिी और चुदाई दोनों ही काम करता है और ज़दिगी मजे में चल रही है। कुछ अकेलापन जरूर है पर अभी तक ऐसा कोई मलिा नहीं जसिको वह पसंद कर सके।

मैं इस बीच उसकी बहुत सुंदर सी आँखों को चूमता रहा और उसके होंठों का भी रस लेता रहा और वो भी बराबर मेरे लन्ड से खेलती रही और फरि अचानक बोली- अब तो चोद दे मादरचोद मेरे राजा, घंटे भर से चूत में सुरसुरी कर रहा है।
और यह कह कर उसने गप्प से मेरा लंड़ अपने मुँह में ले लयिा और मुझसे अपनी गान्ड चाटने के लएि कहा, बोली उसने गान्ड मरवाई तो नहीं है पर अपने अलसेशयिन से खूब जीभ से चुसवाती है और उसे बहुत अच्छा भी लगता है।

मुझे तुहनिा की झांटों से भरी चूत और गान्ड पर भी बाल बहुत अच्छे लगे। पता नहीं क्यों, पर मुझे, औरतों की झंटीली चूत बहुत अच्छी लगती है क्योंकि उनकी बुर से झांटों के बीच से बहता हुआ पानी पीना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

तुहनिा की बातों से पता चला कि वह घर में सबसे छोटी और लाड़ली होने की वजह से बचपन से ही बहुत शैतान पर पढ़ने में बहुत अच्छी लड़की थी। कसिी को यह अंदाज ही नहीं हुआ की उसने पहली बार कम उम्र में ही अपने मामा के लड़के का लन्ड चूसना शुरू कर दयिा था और उसी ने पहली बार गान्ड में भी खूब उंगली की थी क्योंकि उसे मालूम नहीं था कि कहाँ क्या कयिा जाता है।
बाद में तुहनिा की कसिी सहेली ने बताया की चूत क्या होती है और कैसे चुदा जाता है।
तुहनिा कुल मलिा कर एक खुश मजिाज, शैतान बच्चे की तरह बहिव कर रही थी और एंजॉय कर रही थी।

मैंने उसके मुंह से अपना लंड नकिाल कर फ्रजि में से चाकलेट नकिाला और उसकी चूत पर, चूचयिों पर और गान्ड पर खूब मला और उसके बाद अपने लन्ड को और एमलिी की भी चूत पर, चूचयिों पर और गान्ड पर खूब चाकलेट चटा कर तुहनिा को अपना लंड चूसने को कहा और मैंने उसकी गान्ड में अपनी जीभ लगाई।
तुहनिा तो जैसे सहिर सी गई मेरी जीभ की स्टाइल से, बोली ऐसा लग रहा है जैसे ये जीभ न होकर उसके अलसेशयिन का पतला सा लंड हो।
धीर धीरे मैंने बीच वाली उंगली उसकी गांड में डालनी शुरू करके अंदर-बाहर करने लगा। वह शायद दर्द से हाय हाय हाय.. आआह्ह्ह हूँ हूँ हूँ.. आआह आआह यार मज़ा आ रहा है हाय हाय हाय हाय हाय हाय सी सी सी हाय हाय मम मम हाय आआह्ह्ह आआह्ह्ह बहनचोद कहते हुए अधमुंदी अँखयिों से

मुझे प्यार से देखते हुए तुहिना मुस्कराई, कहने लगी- मम्म मम्ह बहुत जलन हो रही है सीस्स और दर्द भी हो रहा है पर आआह्ह्ह आआह्ह्ह बड़ा मज़ा आ रहा है.. तेरी मंद मंद उँगलियों की चुदाई में फटी जा रही है और यह कमीनी एमलि सो रही है रुक तो जरा, मैं अपना मुंह इसकी चूचियों की तरफ करके इसकी चूचियों को खा जाऊँगी आज।

और ऐसा कह कर उसने अपनी पोजीशन चेंज कर ली अब उसका हाथ और मुंह एमलि की चूचियों की तरफ हो गया था, उसने एमलि के दोनों चूचे पकड़ कर मुझसे कहा- मार धक्का अपने लंड का और मेरी गान्ड फाड़ दे आज राजा!

मैंने थूक से उसकी गांड गीली करके लंड का टोपा उसकी गांड पर रख कर उसकी कमर को कस कर पकड़ कर बहुत ज़ोर से एक नहीं चार पांच ताक़तवर धक्के दिए और वह तड़प उठी, धक्का इतना तगड़ा था कि तुहिना का पूरा बदन झनझना गया, और वह ज़ोर से चिल्लाई हाआआं हाआआं हाआआं कुत्ते इसको अपनी अम्मा की गान्ड समझ हरामी तकलीफ हो रही है हाआआं एक और धक्का दे ज़ोर का!
कहते हुए उसने एमलि की चूचियों को कस के मसल दिया और उसे अपनी बाँहों में लपेट लिया, उछल उछल कर चुदाई करवाने लगी।

एमलि अचानक के इस हमले से तैयार नहीं थी और वो ज़ोर से चिल्लाई पर हमारा यह सीन देख कर और जब उसने देखा कि मैं तुहिना की गान्ड में घुसा हुआ हूँ तो बहुत आश्चर्य से उठ कर बैठ गई।

इधर मैं तुहिना की गांड में हल्के हल्के धक्के लगातार मारे जा रहा था- धक धका धक धक धक धक !!!
उधर एमलि ने तुहिना के होंठों की ज़ोर से किस किया और अपनी चूत मेरी तरफ कर ली।
मैं बदस्तूर धक धक धक धक धक धक उसकी गांड की चुदाई कर रहा था और एमलि ने अम्मा की तरह अपनी बिटिया, तुहिना को चिपका कर उसकी चूचियों को ज़ोर से चूसना शुरू कर दिया और प्यार से थपकाने लगी।

मैंने अपने एक हाथ की उंगली गीली करके एमलि की गांण सहलाना शुरू कर दिया तो वो चिहुक कर बोली- बस तुम तुहिना की ही गांड मारो, मुझे बख्शो !! मुझे चोद लेना पर गांड नहीं !

पर मैंने उंगली निकली नहीं, वहीं घुसी रहने दी और तुहिना के धक्के कभी तेज करते हुए तुहिना की गालियों और चीख़ों का मजा लेने लगा और कुछ देर में ही थक कर झड़ गया।

एमलि ने एक झटके में तुहिना को छोड़ कर, अपने मुंह में मेरा लंड ले लिया और मेरे झड़े हुए वीर्य के साथ ही उसको चूसने लगी और बोली कि मैं अपनी उँगली, जो उसकी गांड में थी, को धीरे धीरे अंदर-बाहर करूँ।

तुहिना झड़ी झड़ी थकी थकी बेहोश सी पड़ी थी और मेरा लंड एमलि चूस रही थी पर मुझमें अब ताकत नहीं थी तो मैंने एमलि से दारू लाने की रिक्वेस्ट की और 2-2 पेग दारू पीकर फिर एमलि की चुदाई के लिए तैयार हो गया।
एमलि ने तो मेरे वीर्य से सने लंड को, दारू के गिलास में डाल-डाल कर, चूसा और तब तक तुहिना भी उठ गई और उसकी जिद और मदद से मैंने एमलि की भी गांड मार ही दी।

हम लोग अपने काम को, जिसकी वजह से आगरा आए थे, भूल कर सिर्फ प्यार करने, बढ़ाने में और एक दूसरे के अत्यधिक करीब आने में ही लगे रहे और 2 दिन और रुक कर फिर कार से ही साथ दिल्ली वापस आकर, फिर मिलने की प्यास लेकर अपने अपने घर चले।

दोस्तो, आपको मेरी यह प्रस्तुति कैसी लगी, जानने की मुझे उत्सुकता लगी रहेगी, अपने अच्छे या बुरे विचारों से मुझे अवश्य अवगत कराएं ताकि आपकी शिकायतों और सुझावों को मैं अपनी अगली प्रस्तुति में समाविष्ट कर के अपने को धन्य समझ सकूँ कि मुझे और अधिक पाठकों का प्यार मिल रहा है।
prick35@yahoo.com

« Back To Home

For more sex stories Visit: AntarVasna.Us